पाठ 1
साथी हाथ बढ़ाना

साहिर लुधियानवी

इन चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए और बताइए कि दोनों में क्या अंतर है ?

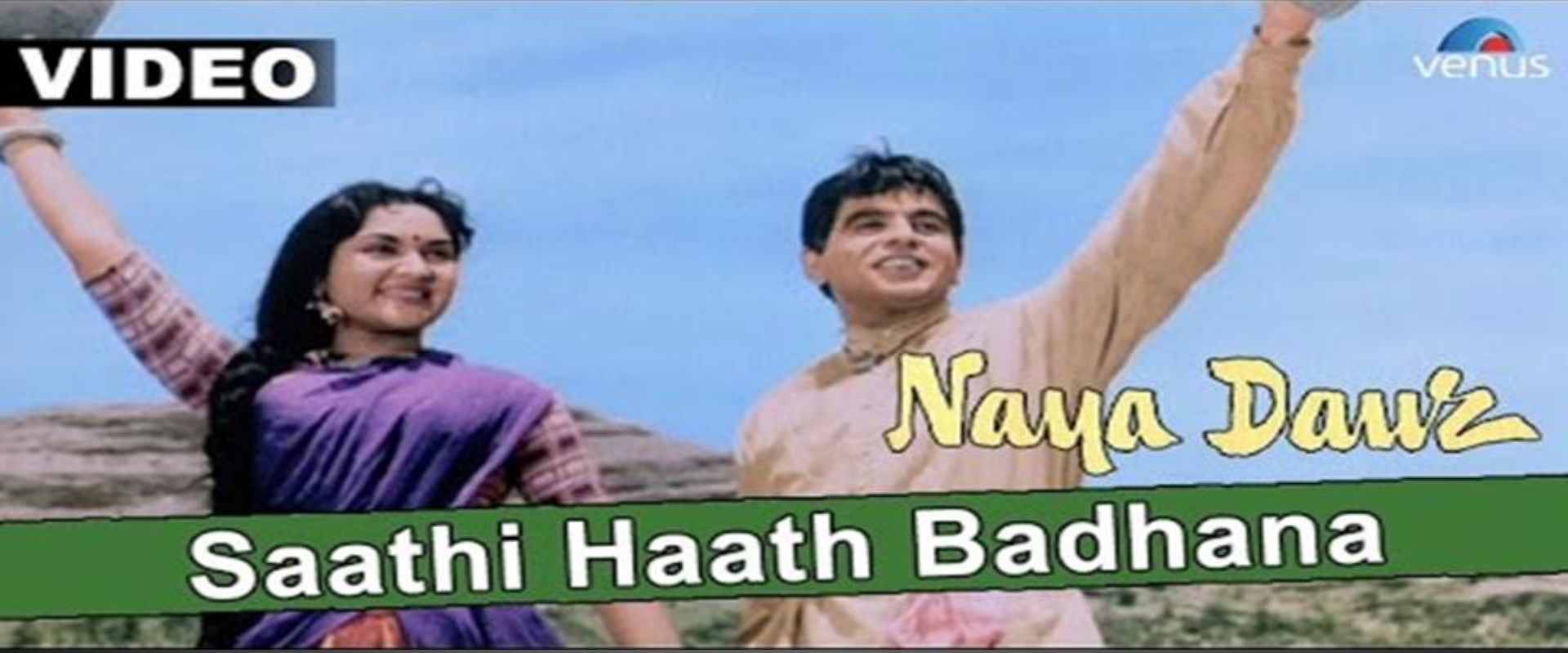

गीत का वीडियो देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कीजिए-

https://www.youtube.com/watch?v=ExpUfE89trk

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर
बोझ उठाना
साथी हाथ बढ़ाना |
हम मेहनतवालों ने जब भी,
मिलकर कदम बढ़ाया,
सागर ने रस्ता छोड़ा, **परबत** ने
सीस झुकाया,
फ़ौलादी हैं सीने अपने,फ़ौलादी हैं
बाँहें,
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें
राहें,
साथी हाथ बढ़ाना |

साथी-मित्र, परबत –पहाड़ , बोझ-भार, कदम-पद
सीस –सिर, राह-रास्ता
फ़ौलादी-फ़ौलाद (लोहे) से बना बहुत कड़ा या मज़बूत

मेहनत अपने लेख की रेखा,मेहनत से क्या डरना
कल **गैरों** की खातिर की,आज अपनी खातिर करना,
अपना दुख भी एक है साथी,अपना सुख भी एक,
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल, अपना रस्ता नेक,
साथी हाथ बढ़ाना |

मेहनत-परिश्रम, लेख-भाग्य, किस्मत | गैर-अन्य, दूसरा |
मंज़िल-लक्ष्य, नेक-अच्छा

एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया,
एक से एक मिले तो **ज़र्रा,** बन जाता है **सेहरा**,
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत,
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत,
साथी हाथ बढ़ाना |

ज़र्रा - छोटा कण
सेहरा - रेगिस्तान

मूलभाव

साथी हाथ बढ़ाना' कविता में कवि ने मनुष्य को मिल-जुलकर रहने तथा साथ मिलकर परिश्रम करने का आग्रह किया है | कवि कहते हैं कि साथ मिलकर काम करने से बड़े से बड़े काम भी आसानी से हो जाते हैं तथा आपस में भाईचारा बना रहता है | अत: हमें उन्नति और विकास के पथ पर बढ़ने के लिए एक-दूसरे का साथ देना चाहिए |

काव्य-सौंदर्य

भाव सौंदर्य

इस कविता के माध्यम से कवि यह कहना चाहते हैं कि किसी भी कार्य को पूर्ण करने के लिए आपसी सहयोग और मेहनत की आवश्यकता होती है | यदि अकेला व्यक्ति काम करते हुए थक जाता है तो हमें उसका साथ देना चाहिए | मिल-जुलकर मेहनत करने से हम अपनी बाधाओं को आसानी से पार कर सकते हैं |

शिल्प सौंदर्य

1.शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है |

2. तुकांत शब्दों के प्रयोग से कविता में लयात्मकता आ गई है, जैसे- बढ़ाया-झुकाया, बाँहें-राहें आदि |

3. उर्दू भाषा के शब्दों का प्रयोग किया गया है जैसे – इंसाँ, ज़र्रा, फ़ौलादी, गैर आदि |

4.भाषा भावानुकूल एवं प्रभावशाली है|

परिचर्चात्मक विषय

एकजुट होकर कठिन परिश्रम करने से मार्ग में आई बाधाओं को पार कर सफलता प्राप्त की जा सकती है | तर्कसहित अपने विचार व्यक्त कीजिए |

संकेत बिंदु :

- मिल-जुलकर मेहनत करने से समाज व देश का विकास |
- मेहनत हमारे भाग्य की रेखा |
- सच्चाई और नेकी के मार्ग पर चलते हुए लक्ष्य की प्राप्ति |
- एकजुट होकर काम करने का उदाहरण |

धन्यवाद